लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 June 2023

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में सोमवार को पौधरोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया गया।

एलयू समेत स्कूल और कॉलेजों में भी आयोजन

एलयू व कई सम्बद्ध कॉलेजों में पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। एलयू में कुलसचिव संजय मेधावी, अधिष्ठाता अकादमिक व छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, अधीक्षक भूमि एवं उद्यान विभाग टैगोर लाइब्रेरी के सामने वृक्षारोपण किया गया। वहीं बेसिक, माध्यमिक शिक्षा एवं वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने लखनऊ में राष्ट्र सन्त महन्त अवेद्यनाथ पर्यावरण वाटिका का लोकार्पण किया कृष्णा देवी कॉलेज, नवयुग कन्या महाविद्यालय, कालीचरण पीजी, खुन खुन जी गर्ल्स, अमीनाबाद इंटर एवं कान्हा उपवन, भाषा विश्वविद्यालय, हनुमान प्रसाद रस्तोगी गर्ल्स कालेज में, अम्बेडकर विवि एवं पुनर्वास विवि में भी आयोजन हुए।

एलयू की बैंड रैंकिंग में 80 स्थान का उछाल

एनआईआरएफ वर्ष 2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय की बैंड रैंकिंग में काफी सुधार आया है। उपक्रम की महानिदेशक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि रैंकिंग में सुधार के लिए काफी प्रयास किए गए थे। इस बार बैंड को आगे बढ़ाया है। पिछले दो वर्षों से एलयू 151-200 बैंड में था। इस वर्ष एलयू की बैंड रैंकिंग 101 से 150 के बीच है। 80 स्थान तक उछाल आया है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में ग्रीष्मावकाश शुरू, ऑफलाइन संग लीं ऑनलाइन कक्षाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सहित सभी सहयुक्त महाविद्यालयों में सोमवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश की शुरुआत हो गई। विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में ज्यादातर पाठ्यक्रमों में अभी सिलेबस पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में अवकाश होने के बाद भी सोमवार को कई विभागों में शिक्षकों ने विद्यार्थियों की ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कक्षाएं चलाईं। अवकाश के पहले दिन लविवि कैंपस में चहल पहल काफी कम नजर आई। परिसर में केवल वही छात्र-छात्राएं नजर आए, जिनका कोर्स पूरा न होने के कारण शिक्षकों ने ऑफलाइन कक्षा के लिए बुलाया था। सोमवार को प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग सहित कई अन्य विभागों में शिक्षक ऑफलाइन कक्षाएं लेते नजर आए। इसके अलावा कई विभागों में शिक्षकों ने ऑनलाइन कक्षाएं भी लीं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि के ज्यादातर विभागों में अधिकतर पाठ्यक्रमों में कोर्स पूरा करा लिया गया है। जिन विभागों का कोर्स अधूरा है, उन्हें ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कक्षाएं चलाने को कहा जा चुका है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालयों के प्राचार्य और शिक्षकों को भी कोर्स अधूरा होने पर ऑनलाइन कक्षाएं लेकर पूरा कराने के निर्देश कुलपति ने दे रखे हैं। सभी विभागों में बचा हुआ कोर्स अगले एक से दो हफ्ते में पूरा करा लिया जाएगा। (संवाद)

छह हजार से अधिक को मिली छात्रवृत्ति

लखनऊ। लविवि के 6773 छात्रों को मिली छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय से करीबन 10 हजार छात्रों छात्रवृत्ति के लिए फॉर्म भरे थे। इसमें एलयू प्रशासन ने 8280 फॉर्म वेरिफाई कर फॉरवर्ड किए थे। इसमें सामान्य वर्ग के 2607, ओबीसी के 1887, एससी के 1498, अल्पसंख्यक के 717 और एसटी वर्ग के 34 छात्रों को सरकार ने छात्रवृत्ति दी है। 1546 छात्रों को अपात्र पाए जाते हुए उनका आवेदन निरस्त कर दिया गय है। (संवाद)

जीवन में समरसता लाने के लिए योग जरूरी

लखनऊ। लविवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंस की ओर से नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की श्रृंखला में सोमवार को योग एवं समरसता विषय पर नवीन परिसर में सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता डॉ. हरि हृदय अवस्थी ने कहा कि योग से जीवन में समरसता आती है। इसलिए हर व्यक्ति को योग अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. राजीव शर्मा, डीन प्रो. अशोक कुमार सोनकर, डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. सत्येंद्र कुमार मिश्रा, डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा, डॉ. रामकिशोर आदि मौजूद रहे। (संवाद)

i-NEXT PAGE 1

एलयू में 'द भारत लैब' स्थापित होगी

LUCKNOW: लखनऊ विश्व विद्यालय देश के पांच मेट्रो एवं 23 बड़े शहरों को छोड़कर अन्य भारतीय नागरिकों की संस्कृति, रहन-सहन सहित तमाम बिंदुओं पर शोध व सर्वेक्षण कर डेटा जुटाएगा. इसके लिए विश्वविद्यालय के प्रबंधशास्त्र विभाग में 'द भारत लैब' स्थापित की जाएगी. इस लैब को मूर्त रूप देने के लिए पिछले दिनों कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मुंबई में रिडिफ्यूजन एजेंसी के प्रबंध निदेशक डा. संदीप गोयल साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए. कुलपति द भारत लैब के चीफ मेंटर होंगे.

i-NEXT PAGE 4

एलयू की रैंकिंग अप, आईआईएम पहले जैसा

एनआईआरएफ रैंकिंग में लखनऊ के कई संस्थान शामिल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (5 June): केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूटशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग जारी की गई. इस रैंकिंग में लखनऊ के कई संस्थानों ने अच्छी रैंक हासिल की है. एनआईआरएफ की ओवरऑल रैंकिंग में टॉप 10 में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी को 69वीं रैंक मिली है. किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को 77वीं रैंक हासिल हुई है. एनआईआरएफ रैंकिंग में इस साल लखनऊ यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है. इस साल एलयू 115वें स्थान पर है.

बीबीएयू को लॉ में मिला 10वां स्थान

बीबीएयू में विधि संस्थानों की श्रेणी में विवि को 10वां स्थान मिला है. फार्मेसी संस्थानों में विवि को 20वां स्थान मिला है. विवि ने प्रबंधन श्रेणी में 78वां स्थान हासिल किया है. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी ने इस साल यूनिवर्सिटी श्रेणी में 42वें स्थान पर कदम रखा है, विवि ने इस श्रेणी 2022 में 55वां स्थान प्राप्त किया था. विवि की प्रवक्ता डॉ. रचना गंगवार ने बताया कि विवि पिछले एक साल में 13 रैंक ऊपर गया है और पिछले दो साल में 23 रैंक की छलांग लगाई है. इसके अलावा, विश्वविद्यालयों की ओवरऑल श्रेणी की रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 69वां स्थान हासिल किया है, पिछली बार विवि 78वें स्थान पर था. उत्तर प्रदेश सभी राज्य व केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में बीबीएयू तीसरे स्थान पर है. केन्द्रीय विवि की श्रेणी में बीबीएयू 7वां स्थान पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा है. इस मौके पर विवि के कुलपति ने आचार्य संजय सिंह ने विवि परिवार को बधाई दी.

आईआईएम छठे स्थान पर

देश के प्रबंधन संस्थानों की रैंकिंग में भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ इस साल छठे स्थान पर है. पिछले साल भी वह छठे स्थान पर था. आईआईएम ने सभी पैरामीटर पर बेहतर करने की कोशिश की है, प्लेसमेंट में बढ़ोतरी हुई है. तीन साल में यहां 23 लाख रुपये से 29 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है. रिपोर्ट के अनुसार 100 प्रतिशत आईआईएम का प्लेसमेंट रहा है.

इस आधार पर मिलती है रैंकिंग

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से तैयार किया गया एक व्यापक ढांचा है. यह शिक्षण, सीखने के संसाधनों, अनुसंधान, स्नातक परिणामों जैसे विभिन्न मापदंडों के आधार पर देश भर में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और रैंक करता है. रैंकिंग की लिस्ट अधिकारिक वेबसाइट पर देखी जा सकती है.

एलयू की रैंक में इस बार आया उछाल

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एनआईआरएफ 2023 रैंकिंग में 80 रैंक ऊपर स्थान बनाया है. पिछले दो वर्षों से लखनऊ यूनिवर्सिटी को 151-200 बैंड में रखा गया है. इस वर्ष, लखनऊ यूनिवर्सिटी एक पूरे बैंड से आगे निकल गई है. पिछले वर्ष के 195 की तुलना में इस वर्ष 115वें स्थान पर है. लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने संस्थान की उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है.

केजीएमयू की रैंकिंग लुढ़की, 12वें स्थान पर

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने सोमवार को रैंकिंग जारी कर दी है, जिसमें केजीएमयू लगातार पिछड़ता जा रहा है. बीते साल के मुकाबले एक स्थान का नुकसान होने के चलते 63.93 नंबर पाकर 12वी रैंकिंग हासिल हुई है, जबकि वर्ष 2021 में केजीएमयू नौवें पायदान पर था.

लगातार पिछड़ रहा केजीएमयू

एनआईआरएफ मेडिकल रैंकिंग के लिए केजीएमयू के कई मानक परखे गए. इसमें भर्ती मरीजों की संख्या, छात्रों का प्लेसमेंट, संस्थान में चलने वाले कोर्स व संसाधन, दिव्यांग छात्रों की सुविधाएं, बायोमेडिकल वेस्ट और रिसर्च समेत अन्य मानकों पर परखा गया. पर दूसरी ओर केजीएमयू में डॉक्टर लगातार नौकरी छोड़ रहे हैं, जिसका असर मरीजों के इलाज पर हो रहा है. इसके चलते केजीएमयू को रैंकिंग का लगातार नुकसान हो रहा है. ओवरऑल रैंकिंग में भी केजीएमयू लगातार पिछड़ता जा रहा है. इस बार केजीएमयू को ओवरऑल रैंक में 48.52 नंबर मिले हैं. इस हिसाब से केजीएमयू को 77वां स्थान मिला है. हालांकि, विश्वविद्यालय की श्रेणी में केजीएमयू ने अपनी रैंक सुधारी है.

JAGRAN CITY PAGE I

लवि ने लगाई 80 पायदान की छलांग, पाया 115 वां स्थान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) की एनआइआरएफ रैंकिंग-2023 में बड़ा सुधार हुआ है। विश्वविद्यालय ने 80 रैंक ऊपर उठते हुए, 115वें स्थान पर जगह बनाई। पिछले साल लवि 195 स्थान पर था।

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संस्थान की उपलब्धि पर खुशी जताते कहा कि कुलाधिपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने सुधार का जो उपक्रम शुरू किया, यह उसका सार्थक परिणाम है। उन्होंने बताया कि रैंक सुधारने के लिए सबसे जरूरी कदम शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार करना था। इसके लिए एक साल में सवा सौ से ऊपर की संख्या में शिक्षकों की नियुक्तियां कीं। छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट में सुधार हुआ, जो कि रैंकिंग के लिए जरूरी है। सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट विश्वविद्यालय के प्रति लोगों का दृष्टिकोण रहा। इसमें सात गुना वैल्यू में हमें बहुत मिली है। आगे विदेशी और दूसरे राज्यों के छात्र-छात्राओं को अपने यहां प्रवेश के लिए प्रेरित करने सहित और भी जरूरी प्रयास किए जाएंगे ताकि हम देश के 100 विश्वविद्यालयों में अपनी जगह बना सकें। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इस बार विश्वविद्यालय ने अपनी कमियों का आलोचनात्मक विश्लेषण किया और यथासंभव उन्हें दूर करने का कार्य किया।

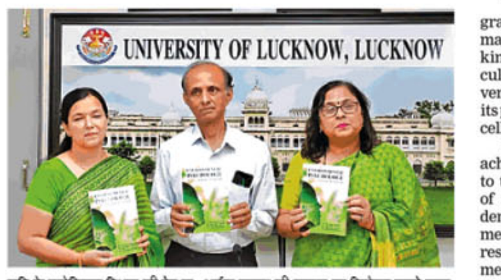

लवि के मनोविज्ञान विभाग की हेड डा. अर्चना शुक्ला की पुस्तक का विमोचन करते कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी, साथ में हैं प्रो. पूनम टंडन ● सौ. लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय में किताब का विमोचन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की हेड डा. अर्चना शुक्ला ने सोमवार को अपनी किताब 'पर्यावरण मनोविज्ञान : खतरे, चुनौतियां और संरक्षण' के विमोचन के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। विमोचन कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी ने किया। किताब की लेखकों डा. अर्चना शुक्ला, डा. अमरीन फातिमा और डा. ऊषा चौधरी ने बीए मनोविज्ञान पांचवें और छठे सेमेस्टर एनईपी- 2020 के पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से परिभाषित संकलन प्रदान करने और पुस्तक को छात्रों के अनुकूल बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम किया है। किताब के विमोचन पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन भी उपस्थित रहीं।

TOI PAGE 4

NAAC A++ grade helped in better rank, says LU VC

Times News Network

Lucknow: As compared to the last two years, Lucknow University considerably improved its NIRF ranking this year. LU had figured in the 151-200 rank band in 2021 and 2022, but this year jumped to 101-150 band. LU also improved its rank by 80 units, from last year's 195th to 115th place this year.

LU authorities credited this improvement to better public perception after getting A++ from National Assessment Accreditation Council (NAAC) evaluation, teachers' appointments, placements and increase in student diversity.

"The achievement of A++ grade in NAAC contributed majorly to better NIRF ranking. Another factor is the faculty enrolment drive. The university also worked to improve its perception," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said the remarkable achievement was a testament to the unwavering dedication of our faculty, staff, and students. "It reflects our commitment to academic excellence, research, and holistic development. We are proud to be recognized as one of the top institutions in the country and will continue to strive for greater heights," he added.

"LU's consistent presence in NIRF rankings demonstrates its commitment to providing quality education and nurturing future leaders who contribute to society. Our student-teacher ratio improved, our student diversity increased manifolds, placement drive, and high impact factor research papers are behind this improvement," said dean, student welfare, Prof Poonam Tandon.

THE PIONEER PAGE 3

Vision plan to propel LU to new heights

PNS ■ LUCKNOW

The University of Lucknow, under the leadership of Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, has announced a comprehensive vision plan aimed at propelling the institution to new heights of excellence and global relevance. With a focus on academic enrichment and interdisciplinary studies, the university aims to set advanced targets and embrace the changing landscape of education.

DSW Prof Poonam Tandon highlighted the university's commitment to providing an enriched learning experience for students through a three-step approach: short term, midterm, and long term. The plan entails continuous syllabus upgradation in alignment with the National Education Policy (NEP) 2020, emphasising a holistic and interdisciplinary approach.

To address market demand and future opportunities, the university plans to introduce new study areas, including nanotechnology, food science and technology, Indic studies, data science in computer science & engineering, production & industrial engineering, chemical engineering, pharmacy, and PhD programmes in engineering & pharmacy.

Additionally, the university aims to incorporate nationally relevant subjects such as Asian history, globalising Indian culture, and various aspects of the national freedom movement.

In a bid to foster vocational skills and experiential learning, the university will create bridges between disciplines and offer programmes in fashion designing, floriculture, organic farming, and renewable energy, among others. The focus on practical learning will provide students with opportunities to collaborate with local, national, and international experts.

Expanding its academic horizons, the university plans to introduce new faculties over a duration of 3-7 years. State-of-the-art teaching labs equipped with interactive tools will be established, while short-term courses will be offered to equip professionals with market-relevant skills. The establishment of interdisciplinary centres of advanced studies, including behavioural sciences and statistical modeling, will further enhance the academic landscape.

LU's long-term goals (7-10 years) include providing a global learning experience through international faculty, online teaching collaborations, student exchanges, and dual degree courses. Strengthening industry-academia connections is a key focus, with initiatives such as capacity building, industry-supported courses, and public-private partnerships.

To enhance student engagement, the university will leverage state-of-the-art pedagogical tools and extend its analytical know-how to policy evaluation. Collaboration with the government will be emphasised to aid policy implementation, while innovation centres and corporate social responsibility-funded chair professorships will drive research and development.

The university also plans to establish knowledge parks to facilitate research dissemination and create publicly accessible knowledge banks.

AMRIT VICHAR PAGE 4

पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ी एलयू की रैंक

कार्यलय संवाददाता लखनऊ

एनआईआरएफ

- विश्वविद्यालय 195 से पहुंचा 115वें स्थान पर

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय वर्ष 2023 के लिए प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में एक पूरे बैंड को आगे बढ़ाया है। पिछले दो वर्षों से लखनऊ विश्वविद्यालय को 151-200 बैंड में रखा गया है। इस वर्ष, विश्वविद्यालय एक पूरे बैंड से आगे निकल गया है। पिछले वर्ष के 195 की तुलना में इस वर्ष 115वें स्थान पर है।

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया एक व्यापक ढांचा है, जो शिक्षण, सीखने के संसाधनों, अनुसंधान, स्नातक परिणामों जैसे विभिन्न मापदंडों के आधार पर देश भर में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और रैंक करता है। आगे बढ़ने की गतिविधियां। विश्वविद्यालय ने विगत वर्षों में अपनी कमियों का आलोचनात्मक विश्लेषण किया और यथासंभव उन्हें दूर करने का कार्य किया। नैक में ए डबल प्लस ग्रेड की उपलब्धि ने एनआईआरएफ रैंकिंग में मुख्य योगदान दिया। रैंकिंग में वृद्धि में योगदान देने वाले कारकों में से एक कारक संकाय नामांकन अभियान है। विश्वविद्यालय ने अपनी धारणा को सुधारने के लिए भी काम किया।

बीबीएयू ने एक बार फिर लगाई बड़ी छलांग

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 में इस वर्ष देश में 42वें स्थान पर कदम रखा है, विवि ने इस श्रेणी 2022 में 55 वें स्थान प्राप्त किया था। महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीएयू मात्र एक ऐसा विश्वविद्यालय है जो पिछले एक साल में 13 रैंक ऊपर गया है और पिछले दो साल में 23 रैंक की छलांग लगाई है। इसके अलावा विश्वविद्यालयों की ओवरऑल श्रेणी की रैंकिंग में, विश्वविद्यालय ने पिछली साल की तुलना में उन्नति दर्ज करके 69वां स्थान हासिल किया है, पिछली बार विवि 78वें स्थान पर था। उत्तर प्रदेश सभी राज्य तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में बीबीएयू तीसरे स्थान पर है।

पर्यावरण दिवस पर वृक्ष संरक्षण की ली शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि में पौध रोपण करते शिक्षक व छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार : विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्ष संरक्षण की शपथ के साथ सोमवार को विश्वविद्यालयों समेत महाविद्यालयों में पौध रोपण के साथ जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अलावा स्कूल व कालेजों में भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। सभी जगह पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भूमि एवं उद्यान विभाग की ओर से पौध रोपण का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, रजिस्ट्रार प्रो. संजय मेधावी, भूमि एवं उद्यान विभाग के अधीक्षक प्रो. एसएन पांडे के नेतृत्व में शिक्षकों व छात्रों ने टैगोर पुस्तकालय के सामने टैगोर लॉन में पौध रोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया।

इस अवसर पर औषधीय उद्यान को विकसित करने के लक्ष्य के साथ उसकी स्थापना भी की गई और यह प्रण लिया गया कि आने वाले समय में उद्यान विभाग इन औषधीय गुणों वाले पौधों के बारे विशेषज्ञों द्वारा हर इच्छुक छात्र छात्रा, शिक्षक या आम जन को जानकारी उपलब्ध भी करायेगा। इसीक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सबसे पुराने वृक्ष और परिसर में लगे हुए अन्य पेड़ पौधों की सेवा सृजन के साथ सांस्कृतिकी निदेशिका प्रो. मधुरिमा लाल ने शिक्षक व छात्रों को वृक्ष संरक्षण की शपथ दिलाई।

PIONEER PAGE 3

योग को वैज्ञानिक विचारधारा से जोड़ना आवश्यक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त तत्वावधान में 9वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की श्रृंखला में सोमवार को 'योग एवं समरसता' विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ हरि हृदय अवस्थी, प्रोफेसर शरीर रचना विज्ञान फैकेल्टी आफ आयुर्वेद, चिकित्सा विज्ञान संस्थान बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी ने कहा कि समरसता जीवन का अभिन्न अंग है। जीवन में समरसता लाने के लिए योग के विभिन्न प्रकार के अभ्यास हैं जैसे आसन, प्राणायाम, धारणा और ध्यान का अभ्यास। जीवन में समरसता आ जाने के बाद धीरे-धीरे जीवन संपूर्णता की ओर अग्रसित होता है और साथ ही साथ जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति सुगम हो जाती है।

संगोष्ठी के दूसरे वक्ता प्रो. रमाकांत सिंह, पूर्व कुलपति, सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय देहरादून ने कहा कि योग को वैज्ञानिक विचारधारा से जोड़ना बहुत ही आवश्यक है। कुछ वर्षों में रिसर्च के दौरान यह पाया गया है कि योग के विभिन्न प्रकार के अभ्यास जैसे आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार इत्यादि के प्रभाव से मन पर नियंत्रण होता है और मन पर नियंत्रण होने का अर्थ है मस्तिष्क पर नियंत्रण। जिसका मस्तिष्क नियंत्रित हो जाए उसके जीवन में समरसता स्वत: ही उत्पन्न हो जाती है वर्तमान समाज में और वर्तमान जीवन प्रणाली में समरसता होना आवश्यक है और इस समरसता को जीवन में उत्पन्न करने के लिए योग का महत्वपूर्ण योगदान है। फैकल्टी के कोआर्डिनेटर ने बताया कि योग जीवन को उन्नतशील बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है क्योंकि योग के ध्यानात्मक अभ्यास से शरीर के मेंटल फैकल्टी का विकास होता है।

VoL PAGE 6

लविवि ने रैंकिंग में 80 पायदान की लगायी छलांग

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में एक पूरे बैंड को आगे बढ़ाया है। पिछले दो वर्षों से लखनऊ विश्वविद्यालय को 151-200 बैंड में रखा गया है। इस वर्ष, विश्वविद्यालय एक पूरे बैंड से आगे निकल गया है।

पिछले वर्ष के 195 की तुलना में इस वर्ष 115वें स्थान पर है। एनआईआरएफ द्वारा तैयार किया गया एक व्यापक ढांचा है, जो शिक्षण, सीखने के संसाधनों, अनुसंधान, स्नातक परिणामों जैसे विभिन्न मापदंडों के आधार पर देश भर में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और रैंक करता है। अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के समर्पण को इस वर्ष इसकी रैंकिंग में इस महत्वपूर्ण छलांग के साथ पहचाना गया है। विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग में एक सराहनीय स्थान हासिल किया है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करताहै। विश्वविद्यालय ने विगत वर्षों में अपनी कमियों का आलोचनात्मक विश्लेषण किया और यथासंभव उन्हें दूर करने का कार्य किया। नैक में ए++ ग्रेड की उपलब्धि ने एनआईआरएफ रैंकिंग में वृद्धि में प्रमुख योगदान दिया। रैंकिंग में वृद्धि में योगदान देने वाले कारकों में से एक कारक संकाय नामांकन अभियान है। विश्वविद्यालय ने अपनी धारणा को सुधारने के लिए भी काम किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संस्थान की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा एनआईआरएफ रैंकिंग में यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के अटूट समर्पण का एक वसीयतनामा है। यह दर्शाताहै। अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और समग्र विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता। हमें देश के शीर्ष संस्थानों में से एक के रूप में पहचाने जाने पर गर्व है और हम और भी अधिक ऊंचाइयों के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ पौधरोपण, पुस्तक विमोचन

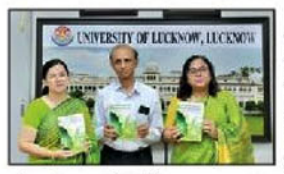

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला के मार्गदर्शन में अपनी पुस्तक पर्यावरण मनोविज्ञानः खतरे, चुनौतियां और संरक्षण को लांच करके विश्व पर्यावरण दिवसमनाया। लेखकों में डॉ. अर्चना शुक्ला, डॉ. अमरीन फातिमा और डॉ. ऊषा चौधरी ने पांचवे और छठवें सेमेस्टर मनोविज्ञान एनईपी 2020 के पाठ्यक्रम का एक अच्छी तरह से परिभाषित संकलन देने और पुस्तक को छात्रों के अनुकूल बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम किया है। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर और डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन और कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी उपस्थित रहे। पुस्तक का विमोचन लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविन्द अश्वस्थी ने किया।

आईईटी की छात्राओं ने बनाये तरुमित्रः इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) में संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कंसल के दिशा निर्देशन में संस्थान की छात्राओं ने पौधरोपण किया। प्रो. कंसल ने पौधरोपण में लगाए गए पौधे के संरक्षण के लिए प्रत्येक छात्रा को एक एक पेड़ अपने नाम से लगाने का सुझाव दिया। छात्राओं ने बड़ी उमंग और तत्परता के साथ आईईटी के कैंपस में पौधरोपण किया। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक पेड़ को उसको रोपित करने वाली छात्रा के नाम से अंकित किया जाए, जिससे भविष्य में वह छात्रा इस पेड़ का निजी रूप से ख्याल रख सके। प्रो. विनीत कंसल ने कहा कि जिस प्रकार पेड़ लगाना अहम है, उसी प्रकार पेड़ों को जीवित रखना भी उतना ही अहम है। संस्थान में पीपल, बरगद और पाकड़ आदि के वृक्ष रोपित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य आयोजक के रूप में डॉ पुष्कर त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रो. सीतालक्ष्मी, रितेंद्र गोयल, डॉ नितिन आनंद श्रीवास्तव, अदीब उद्दीन अहमद, संदीप पटेल एवं संस्थान के अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

HINDUSTAN TIMES PAGE 2

Governor-led UPCRAM delivers on promise as six state-run varsities perform better

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Set up less than a year ago, the Uttar Pradesh Centre for Ranking, Accreditation and Mentorship (UPCRAM) has delivered on its promise of improving the national ranking of state-run universities as the latest National Institutional Ranking Framework (NIRF) index features six state universities from Uttar Pradesh. These varsities have secured good positions in different categories on the index.

Constituted under chancellor and governor Anandiben Patel and under the chairmanship of LU vice chancellor, Professor Alok Kumar Rai, the UPCRAM helps universities improve and fare well on national indices. "There is an overall improvement in different metrics and quality parameters in all the state universities and two state agriculture universities have found a place in the NIRF for the first time under the mentorship of UPCRAM," Professor Poonam Tandon, director-general of UPCRAM pointed out.

The NIRF index of 2023, which was released on Monday for various categories, included -- overall ranking, universities, colleges, research institutions, engineering, management, pharmacy, medical, dental, law, architecture and planning agriculture and allied sectors and innovation. Agriculture and allied sectors and innovation categories were introduced for the first time in the NIRF 2023 index.

Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences, Lucknow. HT

Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences (SG-PGI), Lucknow, has secured the seventh rank with a score of 69.62 in the Medical category, whereas King George's Medical University (KGMU), Lucknow, has secured positions under both medical and university categories.

It secured 12th rank with a score of 63.93 in the medical category, 45th rank with a score of 50.63 in university category, and 77th rank with a score of 48.52 in the overall rank. Significantly, rank/scores of some of institutions has improved from the previous years. For instance, SG-PGI was ranked seventh with a score of 67.18 in the Medical category in NIRF 2022 and the KGMU was ranked 11th rank with a score of 61.68 in the medical category, 50th rank with a score of 48.51 in university category and ranked 75th with a score of 47.00 in overall ranking.

This time, Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, has secured 30th rank with a score of 43.87 and Acharya Narendra Deva University of Agriculture and Technology, Kumarganj, Ayodhya, secured 35th rank with a score of 43.13 in the Agriculture and Allied Sectors.

In the Pharmacy categories, Bundelkhand University, Jhansi, has secured 83rd rank with a score of 41.71 in the list.

The rank of Lucknow University has also improved considerably in NIRF-2023. In NIRF 2023, Lucknow University has been ranked in the 101-150 bracket while it was put in the 150-200 bracket in NIRF 2022 ranking.

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

NCC Mission Life Pledge

NCC Cadets celebrated World Environment Day on Sunday by taking the Mission Life Pledge at Lucknow University to make environment friendly changes in their daily life; they also conducted a clean-up drive and performed nukkad natak at Dilkusha Gardens. SOURCED

JAGRAN CITY PAGE I

विश्वविद्यालयों की रैंकिंग सुधारने में उपक्रम की रही अहम भूमिका

जासं, लखनऊ : राज्य के विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के लिए गठित किए गए उत्तर प्रदेश रैंकिंग, प्रत्यायन और परामर्श केंद्र (उपक्रम) की मेहनत रंग लाई। उपक्रम के मार्गदर्शन में तैयार करने वाले प्रदेश के छह राज्य विश्वविद्यालयों ने एनआइआरएफ रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। साथ ही पिछले वर्षों की रैंकिंग की तुलना में अन्य मैट्रिक्स मापदंडों में भी सुधार किया है। इनमें पहली बार दो कृषि विश्वविद्यालय भी शामिल हैं। इनमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलाजी, कुमारगंज ने 43.13 अंकों के साथ 35वीं रैंक हासिल की है।

उपक्रम की महानिदेशक प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि उपक्रम टीम ने राष्ट्रीय रैंकिंग एनआइआरएफ 2023 के लिए आवेदन करने के लिए 11 विश्वविद्यालयों को उनके शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता के आधार पर प्रेरित और चयनित किया था। उपक्रम टीम ने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के साथ मिलकर विभिन्न मापदंडों पर चर्चा करने के लिए कई आनलाइन सत्र आयोजित कर इन संस्थानों की रैंकिंग में सुधार के लिए मार्गदर्शन और सलाह दी, जिससे इनकी रैंक में सुधार आया। इनमें एसजीपीआइ, किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), चंद्र शेखर आजाद यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलाजी, कानपुर, आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलाजी, कुमारगंज, अयोध्या शामिल हैं। फार्मेसी श्रेणी में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी ने सूची में 41.71 के स्कोर के साथ 83वीं रैंक हासिल की है।

रैंक से बनती है पहचान

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से उच्च शिक्षण संस्थानों की एनआइआरएफ की रैंकिंग कराई जाती है। संस्थानों को पांच मूल्यांकन मापदंडों के आधार पर रैंक दी जाती है। इनमें टीचिंग एंड लर्निंग रिसोर्सेज (टीएलआर), ग्रेजुएशन आउटकम (जीओ), परसेप्शन (पीआर), आउटरीच एंड इंक्यूसिविटी (ओआइ) और रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस (आरपी) के आधार पर आकलन किया जाता है। इस रैंकिंग से संस्थानों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनती है। विद्यार्थियों को अच्छे संस्थान चुनने में सुविधा रहती है।